भवन का निर्माण नहीं हो जाता तब तक विद्यालय प्रायोजक प्राधिकरणों द्वारा उपलब्ध कराये गये अस्थाई भवनों में चलाये जाते हैं । जब प्रायोजक एजेंन्सी द्वारा उपलब्ध कराई गई भूमि केन्द्रीय विद्यालय संगठन को हस्तांतरित कर दी जाती हैं तब उस पर केन्द्रीय विद्यालयों के लिये स्थाई भवनों का निर्माण कराया जाता है । उत्तर प्रदेश के कुल 111 केन्द्रीय विद्यालयों में से 58 विद्यालयों के पास स्थाई भवन हैं तथा 32 विद्यालयों के लिये भवनों का निर्माण विभिन्न स्तरों पर है या इनके लिये योजनायें और अनुमान तैयार किये जा रहे हैं । उत्तर प्रदेश के शेष 21 विद्यालयों के लिये प्रायोजक एजेंसी से भूमि प्राप्त करने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं ।

गुजरात में प्रौढ़-शिक्षा के कार्य की प्रगति

1419. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात में प्रौढ़-शिक्षा कार्यक्रम की प्रगति बहुत ही असंतोषजनक रही है ;

(ख) यदि हां, तो इसके कारणों सहित ब्यौरा क्या है ; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए थे और उन लक्ष्यों की प्राप्ति में कितनी सफलता मिली है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) जी, नहीं ।

(ख) उपरोक्त (क) को देखते हुए यह प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान, प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम स्वैच्छिक एजेंसियों तथा जिला साक्षरता समितियों के माध्यम से कार्यान्वित किए जा रहे थे । इसकी उपलब्धियां निम्नलिखित हैं :-

(लाखों में)

चरण	शामिल करने का प्रस्ताव	साक्षर बनाए गए व्यक्ति
साक्षरता अभियान चरण-I 1989-90	23.00	15.96
साक्षरता अभियान चरण-II सितम्बर 90 से आगे	30.00	19.75
गांधी नगर	0.21	0.21
भावनगर	2.47	1.96

सरदार पटेल समाज विज्ञान तथा अनुसंधान संस्थान द्वारा बाह्य मूल्यांकन किया गया है । मूल्यांकन ने जिला साक्षरता समितियों के दावों का समर्थन किया है ।